अपशिष्ट से कल्याण: भारत की स्वच्छता क्रांति
(Waste to Wellness: India's Sanitation Revolution)

ख़बरों में क्यों? (Why in News?)

विश्व शौचालय दिवस (19 नवंबर) पर, भारत सरकार ने स्वच्छता में देश की प्रगति को दर्शाते हुए नए आँकड़े जारी किए। रिपोर्ट **ओडीएफ प्लस (ODF Plus) गाँवों में 467% की वृद्धि** को उजागर करती है, जो बुनियादी शौचालय पहुँच से हटकर दीर्घकालिक, स्थायी स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन की ओर बदलाव का संकेत है।

पृष्ठभूमि (Background)

विश्व शौचालय दिवस (World Toilet Day)

- प्रतिवर्ष **19 नवंबर** को मनाया जाता है।
- **एसडीजी 6 (SDG 6): स्वच्छ जल और स्वच्छता** को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2013 में घोषित किया गया।

स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) – ग्रामीण (Swachh Bharat Mission - Rural)

- **चरण I (2014-2019):**
  - खुले में शौच समाप्त करने पर केंद्रित।
  - अक्टूबर 2019 में ग्रामीण भारत को **ओडीएफ** घोषित किया गया।
- **चरण II (2020 से आगे):**
  - **उद्देश्य:** 'संपूर्ण स्वच्छता'।
  - **बजट:** Rs. 1.40 लाख करोड़।
  - ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से गाँवों को **ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम** में बदलने पर ज़ोर।

महत्व और तर्क (Significance & Rationale)

- **आधुनिक अनिवार्यता:** सुरक्षित स्वच्छता सार्वजनिक स्वास्थ्य, गरिमा और सामुदायिक लचीलेपन (resilience) के लिए आवश्यक है, खासकर जलवायु तनाव (climate stress) के तहत।
- **सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभाव:**
  - महिलाओं की सुरक्षा और निजता में सुधार करता है।
  - पर्यावरण को मल संदूषण (faecal contamination), भूजल प्रदूषण और वेक्टर-जनित रोगों से बचाता है।

प्रमुख डेटा और आँकड़े (नवंबर 2025 तक) (Key Data & Statistics)

ग्रामीण प्रगति (Rural Progress)

- **95% से अधिक** गाँव अब **ओडीएफ प्लस** हैं।
- **ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम:** 4,85,818 (हाल के वर्षों में तीव्र वृद्धि)।

शहरी प्रगति (Urban Progress)

- **4,692 शहर** ओडीएफ हैं।
- **1,973 शहरों** ने **ओडीएफ++** (उन्नत सीवेज उपचार मानक) हासिल कर लिया है।

अवसंरचना उपलब्धियाँ (Infrastructure Achievements)

- व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों (Individual Household Latrines) का **108%** लक्ष्य पूरा।
- सामुदायिक शौचालयों (Community Toilets) का **125%** लक्ष्य पूरा – लक्ष्य से अधिक।

महत्वपूर्ण परिभाषाएँ (Important Definitions)

ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम (ODF Plus Model Village)

एक ऐसा गाँव जो:

- ओडीएफ स्थिति को **बनाए रखता है**, और
- ठोस और तरल अपशिष्ट का **प्रबंधन** करता है,
- दृश्य स्वच्छता (visual cleanliness) बनाए रखता है,
- सुसंगत **आईईसी (सूचना, शिक्षा, संचार) संदेशों** को प्रदर्शित करता है।

ओडीएफ++ (शहरी) (ODF++ - Urban)

शहरी क्षेत्र जहाँ:

- कोई खुले में शौच नहीं होता है, और
- सभी **मल कीचड़ (faecal sludge) और सीवेज** को सुरक्षित रूप से एकत्र किया जाता है, परिवहन किया जाता है, उपचारित किया जाता है और बिना उपचारित अपशिष्ट को नालियों या जल निकायों में छोड़े बिना **निपटान** किया जाता है।

बहु-आयामी प्रभाव (Multi-Dimensional Impact)

- **स्वास्थ्य:** WHO का अनुमान है कि बेहतर स्वच्छता के कारण 2014 की तुलना में 2019 में **300,000 कम दस्त से होने वाली मौतें** हुईं।
- **आर्थिक:** ओडीएफ गाँवों में घर स्वास्थ्य देखभाल और उत्पादकता हानि में प्रति वर्ष लगभग **Rs. 50,000** की बचत करते हैं।
- **सामाजिक:** **93% महिलाओं** ने घर पर शौचालय उपलब्ध होने के कारण सुरक्षा की बेहतर भावना की सूचना दी।

योजनाओं का अभिसरण (Convergence of Schemes)

अमृत और अमृत 2.0 (AMRUT & AMRUT 2.0)

- शहरी सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित।
- 4,622 MLD नई सीवेज उपचार क्षमता जोड़ी गई, जिससे शहरी अपशिष्ट जल प्रसंस्करण में सुधार हुआ।

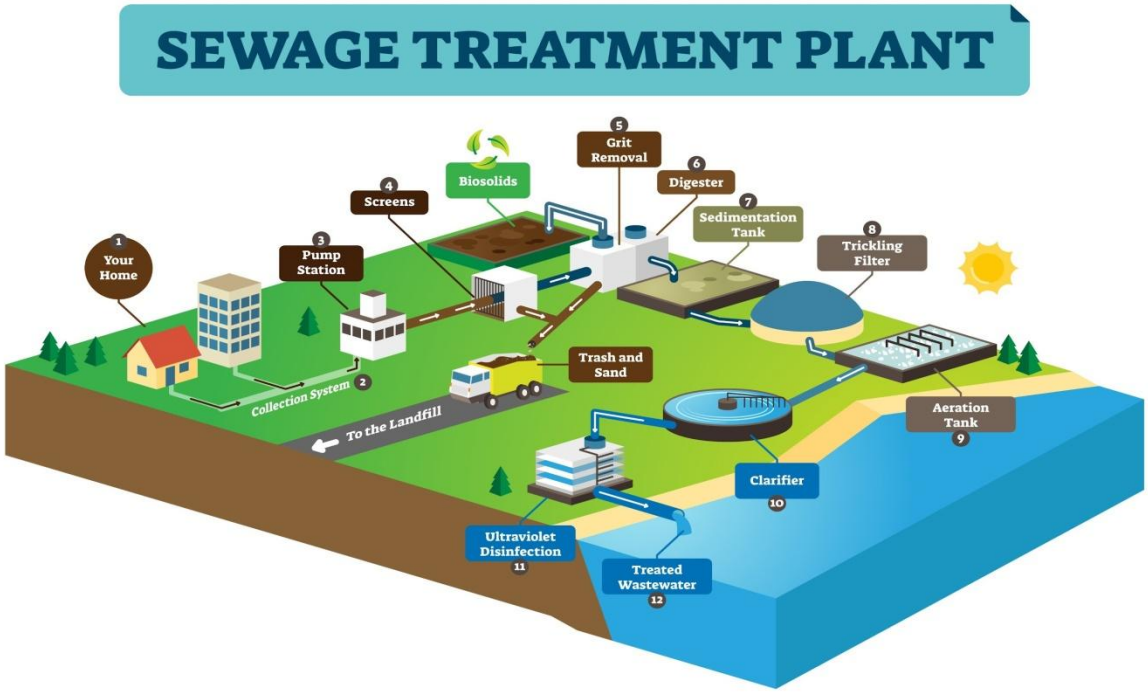

जल जीवन मिशन (जेजेएम) (Jal Jeevan Mission - JJM)

- कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करता है।
- टॉयलेट के उपयोग, स्वच्छता और गाँवों के ओडीएफ बने रहने को सुनिश्चित करने के लिए विश्वसनीय जल आपूर्ति महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष (Conclusion)

भारत की स्वच्छता गाथा शौचालय निर्माण से लेकर स्वच्छता और कल्याण के **स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र** के निर्माण तक विकसित हुई है - जो कि "अपशिष्ट से कल्याण" ('Waste to Wellness') के पीछे का मूल विचार है।

एसबीएम, अमृत और जल जीवन मिशन को एकीकृत करके, भारत खुले में शौच का मुकाबला करने से आगे बढ़कर दीर्घकालिक स्वच्छता, गरिमा, समावेशन और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित कर रहा है। यह समग्र दृष्टिकोण सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मज़बूत करता है और भारत को **एसडीजी 6** प्राप्त करने में एक **वैश्विक नेता** के रूप में स्थापित करता है।

UPSC Prelims Practice Questions

प्रश्न 1.ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम (ODF Plus Model Villages) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. उनके पास ठोस और तरल दोनों प्रकार के अपशिष्ट प्रबंधन के लिए प्रणालियाँ होनी चाहिए।
2. उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर दृश्य स्वच्छता (visual cleanliness) बनाए रखनी चाहिए।
3. उन्हें सभी घरों के लिए 100% सीवरेज कवरेज सुनिश्चित करना चाहिए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

क) केवल 1
ख) केवल 1 और 2
ग) केवल 2 और 3
घ) 1, 2 और 3
उत्तर: ख)
व्याख्या:

- **कथन 1 सही** — ODF Plus मॉडल गांवों को ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली अपनानी अनिवार्य है।
- **कथन 2 सही** — सार्वजनिक स्थानों पर दृश्य स्वच्छता (visual cleanliness) बनाए रखना ODF Plus का एक मुख्य मानदंड है।
- **कथन 3 गलत** — ग्रामीण ODF Plus गांवों के लिए *सभी घरों में सीवरेज कवरेज अनिवार्य नहीं है*; यह मानक अधिकतर *शहरी क्षेत्रों* पर लागू होता है।

प्रश्न 2.भारत में स्वच्छता योजनाओं के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार करें:

1. अमृत 2.0 (AMRUT 2.0) शहरी सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन पर केंद्रित है।
2. जल जीवन मिशन (Jal Jeevan Mission) घरेलू शौचालयों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
3. स्वच्छ भारत मिशन चरण II का लक्ष्य गाँवों को ओडीएफ प्लस मॉडल में परिवर्तित करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?
क) केवल 1 और 3
ख) केवल 2
ग) केवल 1 और 2
घ) 1, 2 और 3
उत्तर: क)
व्याख्या:

- **कथन 1 सही** — AMRUT 2.0 का मुख्य उद्देश्य शहरी जल आपूर्ति, सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन को मजबूत करना है।
- **कथन 2 गलत** — जल जीवन मिशन का उद्देश्य *हर घर नल से जल* है; यह शौचालय निर्माण के लिए वित्तीय सहायता नहीं देता (यह भूमिका स्वच्छ भारत मिशन ने निभाई थी)।
- **कथन 3 सही** — स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-II का लक्ष्य गांवों को **ODF Plus मॉडल** में परिवर्तित करना है।